सांध्य दैनिक 4PM

याद रखिये जहां कहीं भी आपका दिल है, वहीं आप अपना खजाना पाएंगे।
–पाओलो कोएलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 35 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 7 मार्च, 2024

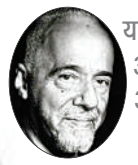

यशस्वी जायसवाल की पहली बार टॉप... 7 | आने को है लोस चुनाव, लगने लगे... 3 | बसपा से फिलहाल गठबंधन... 2

लोस चुनाव की आहट, नेताओं में बढ़ी सुगबुगाहट

इंडिया गठबंधन पूरे दम से घेरेगी मोदी सरकार को

ओडिशा में नवीन राजग में, बिहार में चिराग आ सकते हैं इंडिया गठबंधन में

- भाजपा व कांग्रेस ने शुरू की तैयारी
- उम्मीदवारों व गठबंधनों पर चर्चा जोरों पर
- बीजेपी ने बीजद के साथ गठबंधन का किया इशारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सभी पार्टियां रणनीति बनाने में जुटी हुई है। जहां प्रधानमंत्री मोदी राज्यों के दौरे पर दौरे कर रहे हैं और विपक्ष पर हमला बोल रहे है वहीं विपक्ष ने भी बीजेपी सरकार को घेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। अपनी न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी हर मंच से बीजेपी सरकार की गलत नीतियों पर करारा वार कर रहे है। वही बुधवार को बंगाल व बिहार के दौरे के बाद मोदी बृहस्पतिवार को जम्मू व कश्मीर में दौरे पर हैं। उनके दौरे को लेकर पीडीपी व नेंका नेताओं ने सवाल उठाया है।

उधर देश में गठबंधनों को लेकर भी सियासत गरमाई है। ओड़िशा में बीजद व बीजेपी में नजदिकियां बढ़ रहीं है तो बिहार में राजग में जदयू के शामिल होने से असहज चिराग पासवान को अपने पाले में करने को महागठबंधन जुगत लगा रही है आने वाले समय में चिराग को अपने पाले में करके वह बीजेपी अंधेरे में फंसा सकती है।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले ओडिशा में सत्ता में मौजूद बीजू जनता दल (बीजद) ने भारतीय जनता दल के साथ गठबंधन करने की ओर इशारा किया है। बीजद के नेताओं ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आधिकारिक आवास नवीन निवास में एक व्यापक सत्र बुलाया गया था। इसके साथ ही, राज्य इकाई के प्रमुख मनमोहन सामल समेत बीजेपी के नेता एक बैठक के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एकत्र हुए, जिसमें गठबंधन बनाने की संभावना पर विशेष ध्यान देने के साथ चुनावी मामलों से संबंधित चर्चा की गई। दोनों पार्टियों के बीच संभावित समझौता राज्य की राजनीतिक गतिशीलता में एक अहम बदलाव ला सकता है।

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक, उम्मीदवारों पर माथा-पच्ची

आगामी लोकसभा चुनाव पर मंथन के लिए आज कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक के दौरान उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा होगी। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस जल्द ही लोकसभा उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर सकती है। बता दें कि भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर चुकी है।

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सीईसी की बैठक सात मार्च को शाम छह बजे होगी। सीईसी की बैठक में विभिन्न स्कीनिंग कमेटी द्वारा भेजे नामों में से उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कुछ अन्य राज्यों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है

कि सीईसी की बैठक में करीब 100 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार होगा और प्रत्याशियों की पहली सूची कुछ दिनों के भीतर जारी हो सकती है। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा था कि सात मार्च को सीईसी की बैठक के बाद लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की घोषणा होने की उम्मीद है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी के अलावा समिति में शामिल अन्य नेता बैठक में शिरकत करेंगे।

सुंदर तस्वीर दिखाने के लिए जबरदस्ती हो रही : महबूबा मुफ्ती

जहां एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कश्मीर दौरे को लेकर स्वागत के इंतजाम किए गए हैं और सुरक्षा चाक-चौबंद रखी गई है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कश्मीर यात्रा को लेकर सियासत भी गरमाई हुई है। पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महबूबा का कहना है कि ठंड के मौसम में सरकारी कर्मचारियों को बस में भरकर पीएम की रैली में ले जाया जा रहा है। महबूबा ने अपने आरोपों को लेकर एक वीडियो भी जारी किया है।

महबूबा का कहना है कि उन्हें ये देख कर निराशा होती है कि सुंदर तस्वीर पेश करने के लिए कर्मचारियों को जबरन लामबंद करके ले जाया जा रहा है। महबूबा मुफ्ती ने एक वीडियो भी साझा किया है कि किस तरह से प्रधानमंत्री मोदी की रैली को लेकर सरकारी कर्मचारियों को बसों के जरिए ले जाया जा रहा है।

फिर एक बार खुली योगी सरकार के अपराधमुक्त यूपी की कलई

- जौनपुर में भाजपा जिला मंत्री की गोली मारकर हत्या, हमलावर मौके से फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। योगी सरकार के भयमुक्त और अपराध मुक्त यूपी की कलई प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक वारदातों से खुल रही है। जहां कानपुर समेत कई जिलों में अपराध बढ़ गए हैं वहीं अपराधी भी निरंकुश हो गए है। सबसे बड़ी बात यह है कि सत्ता में बैठे भाजपा नेता भी अब सुरक्षित नहीं हैं।

बृहस्पतिवार को जौनपुर के थाना सिकरारा क्षेत्र स्थित बोधापुर गांव में बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला मंत्री प्रमोद कुमार यादव की गोली मार कर हत्या कर दी। एक पुलिस

अधिकारी ने यह जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) बृजेश कुमार ने बताया कि बोधापुर निवासी भाजपा के जिला मंत्री प्रमोद कुमार यादव अपने काम के सिलसिले में रोज सुबह जिला मुख्यालय आते थे। उन्होंने कहा कि यादव आज सुबह 10 बजे के आसपास बोधापुर गांव से स्कॉर्पियो गाड़ी से निकलकर गांव के मोड़ पर ही पहुंचे थे तभी मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने शादी का कार्ड देने के बहाने इशारा करके गाड़ी रुकवाई। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही प्रमोद ने शीशा खोला तभी एक बदमाश ने पिस्तौल निकालकर उन्हें चार गोली मारीं और दोनों वहां फरार हो गये।

पुलिस खोजबीन में जुटी है, जल्द गिरफ्तार होंगे बदमाश : एसपी

पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने कहा कि हत्याकांड का जल्द खुलासा करके बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। घटना की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल में जौनपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सहित अनेक भाजपा नेता पहुंच गए।

उत्तर प्रदेश में कानून नाम की चीज नहीं बची : प्रियंका

कांग्रेस नेत्री का योगी सरकार पर तीखा प्रहार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में दो बच्चियों के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि राज्य में जंगल राज है, जहां कानून नाम की चीज नहीं बची है। उन्होंने यह दावा भी किया कि उत्तर प्रदेश में पीड़ित बच्चियां-महिलाएं अगर न्याय मांगती हैं तो उनके परिवारों को बर्बाद कर देना नियम बन चुका है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कानपुर में सामूहिक बलात्कार की पीड़ित दो नाबालिग बच्चियों ने आत्महत्या कर ली। अब उन बच्चियों के पिता ने भी आत्महत्या कर ली है। आरोप है कि पीड़ित परिवार पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में पीड़ित बच्चियां-महिलाएं अगर न्याय मांगती हैं तो उनके परिवारों को बर्बाद कर देना नियम बन चुका है। उन्नाव, हाथरस से लेकर कानपुर तक- जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ, उनके परिवार बर्बाद कर दिए गए।

बसपा से फिलहाल गठबंधन नहीं : अखिलेश

बसपा ने तेलंगाना में बीआरएस से मिलाया हाथ

» सपा प्रमुख ने कहा- अब अगली बार सोचेंगे

» लोक सभा चुनाव को लेकर यूपी में हलचल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बसपा से फिलहाल हाथ मिलाने से मना कर दिया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि उनके प्रत्याशी भाजपा को फायदा पहुंचाने वाले होते हैं। उन्होंने इस लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन की संभावना से इनकार किया। बसपा के साथ गठबंधन की संभावना पर उन्होंने कहा कि अब तो समय जा चुका है। लोकसभा चुनाव में समय नहीं बचा है। शायद 15 तारीख से पहले ही चुनाव की तारीख की घोषणा हो जाएगी, ऐसे में इस सबके लिए समय नहीं है।

अगले लोकसभा चुनाव में सोचा जाएगा कि उनसे गठबंधन करना है या नहीं। बसपा सुप्रीमो मायावती को साथ लाने के सवाल पर अखिलेश ने कहा, मैं ऐसी कोई बात नहीं बोलना चाहता, जिससे किसी दल को नाराजगी हो। लेकिन सुनने में आता है कि उनके प्रत्याशी वही होते हैं, जिससे बीजेपी को लाभ मिले। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव से पहले तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति बीआरएस (बीआरएस) के साथ गठबंधन करने की घोषणा की है। बसपा के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार ने हैदराबाद में बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मंगलवार को मुलाकात के बाद गठबंधन करने का घोषणा की। बता दें कि इससे पहले बसपा ने तेलंगाना में विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ा था। जल्द ही बसपा सुप्रीमो मायावती की सहमति से दोनों दलों के बीच सीटों का बंटवारा होगा।

निषाद पार्टी ने मांगी एक और लोकसभा सीट

निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने भाजपा से गठबंधन में एक और लोकसभा सीट की मांग की है। उन्होंने भाजपा से हारी हुई सीटों में एक सीट की मांग की है। उनका कहना है कि उन्हें यदि हारी हुई एक सीट मिलती है तो वह उसे जीतकर एनडीए को मजबूत करेंगे। इसके अलावा निषाद ने विधान परिषद चुनाव में भी एक सीट की मांग की है। मालूम रहे कि संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद को भाजपा ने संतकबीरनगर से प्रत्याशी घोषित किया है।

बसपा-कांग्रेस में पक रहीं खिचड़ी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और बसपा के अभी तक प्रत्याशी न उतारे जाने के निहितार्थ तलाशे जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अंदरखाने कुछ चल रहा है और नतीजे के लिए आचार संहिता लगने का इंतजार है। पिछले सप्ताह कांग्रेस और बसपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच एक राउंड की और बातचीत हो चुकी है। इंडिया गठबंधन के तहत प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो चुका है। सपा अभी तक 29 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है, लेकिन कांग्रेस ने अभी तक अपने खाते में आई 17 सीटों में से किसी पर भी प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। इंडिया गठबंधन के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस हाईकमान ने फिलहाल यूपी में प्रत्याशियों की घोषणा के लिए इंतजार करने के संकेत दिए हैं। 11-12 मार्च को इस पर विचार करने के लिए कहा है।

सपा की बूथ टीम तैयार करें : उत्तम

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी की लखनऊ इकाई के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव को मोहनलालगंज लोकसभा प्रभारी मनोनीत किया है। लखनऊ के गुंमावा खेड़ा निवासी अशोक यादव कई बार जिलाध्यक्ष रहे हैं और विभिन्न चुनावों के प्रभारी रह चुके हैं। उनके प्रभारी मनोनीत किए जाने अजय प्रताप बिन्नू, राजेश यादव, वीर बहादुर सिंह, मान सिंह पटेल, सुरेश रावत और डीपी रावत आदि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अशोक यादव की निगरानी में पार्टी मोहनलालगंज लोकसभा सीट जीतने में कामयाब होगी। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने नवनियुक्त प्रभारी अशोक यादव को जल्द से जल्द बूथ और सेक्टर की टीम तैयार करने का निर्देश दिया है।

बाते बनाकर चले गए पीएम मोदी, कुछ दिया नहीं : चितरंजन

» राजद का जवाब- लालू यादव के आसपास ही मंडराते रहे

» विशेष राज्य के दर्जे का मुद्दा तक नहीं उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बिहार के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने बेतिया में राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर परिवारवाद को लेकर जमकर निशाना साधा। उनके हमले के बाद राजद ने भी पीएम मोदी को घेरा। अब राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने प्रधानमंत्री के बिहार दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि एक बार फिर सौगात के नाम पर बिहार को जुमले पर ही संतोष करना पड़ा। राजद प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का एक सप्ताह के अंदर बिहार का यह उनका दूसरा दौरा है। प्रचारित किया गया कि प्रधानमंत्री जी बिहार को बहुत बड़ी सौगात देने आ रहे हैं और 12,800 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। लेकिन सौगात तो नहीं, पर पीएम पिछले दौरों की तरह इस बार भी केवल जुमलों की बौछार कर चले गए। मुजफ्फरपुर से मोतिहारी एलपीजी लाइन तो 2014 के पहले ही हुए भारत-नेपाल करार के तहत बनाया गया है, जिसके तहत नेपाल को एलपीजी गैस की आपूर्ति करने के लिए पाइप लाइन बिछाया गया है।

पुरानी घोषणाओं का हश्र देख चुके हैं लोग

राजद नेता ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा आज रेलवे की कई वैसी योजनाओं का भी लोकार्पण किया गया है, जिसका उदघाटन पहले मंडल रेल प्रबंधक स्तर के पदाधिकारी किया करते थे। प्रधानमंत्री जी द्वारा आज कई योजनाओं का शिलान्यास भी किया गया है। इसके पहले भी चुनाव के समय अनेकों योजनाओं का शिलान्यास और घोषणाएं होती रही हैं, जिनका हश्र लोग देख चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के समय उसी चम्पारण की धरती पर उन्होंने बेतिया चीनी मिल को चालू करने की घोषणा की थी, जो आज तक चालू नहीं हुई।

अगर भाजपा में शामिल हो जाऊं तो ईडी के समन मिलने बंद हो जाएंगे : केजरीवाल

» जांच एजेंसियों के सहारे विपक्षी नेताओं को किया जा रहा परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ईडी का उपयोग कर विपक्षी नेताओं को परेशान करके भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आबकारी नीति से संबंधित मामले के सिलसिले में अब तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आठ समन की अवहेलना कर चुके दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि अगर वह भाजपा में शामिल हो जाएं तो उन्हें एजेंसी से नोटिस मिलने बंद हो जाएंगे।

ईडी ने आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धन शोधनमामले की जांच के सिलसिले समन जारी करने के बावजूद पेश न होने पर केजरीवाल खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग करते हुए दिल्ली की एक अदालत में नयी याचिका दायर की है, जिसके बाद केजरीवाल की यह प्रतिक्रिया आई है। केजरीवाल ने कहा, ईडी का छापा डलवा कर के पूछा जाता है - कहां जाओगे - भाजपा या जेल? जो भाजपा में जाने से मना कर देते हैं, उन्हें जेल भेज देते हैं।

पद आते-जाते रहते हैं, लोकतांत्रिक मूल्य जिंदा रहने चाहिए : सुक्खू

» बागियों ने किया धोखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पद आते-जाते रहते हैं लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य जिंदा रहने चाहिए। सरकार मजबूत है और पांच साल चलेगी। जिले के बागी विधायकों ने पार्टी और हमीरपुर के साथ धोखा किया है। कभी सोचा नहीं था कि हमीरपुर के विधायक ऐसा काम करेंगे। पद की इतनी लालसा भी सही नहीं होती है।

हमीरपुर के पक्का भरो में बुधवार को जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने सत्ता हथियाने के लिए तमाम षड्यंत्र किए, मगर सरकार पूरी मजबूती के साथ खड़ी रही। जिले में कांग्रेस के चिह्न पर चुनाव लड़ने वालों ने पार्टी के साथ हमीरपुर से भी धोखा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जिले के विधायकों के साथ विकासात्मक परियोजनाओं पर कार्य कर रहे थे। उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि इन्हीं में से कुछ लोग अचानक सरकार के खिलाफ हो जाएंगे। इन लोगों ने सिर्फ सरकार या पार्टी से ही नहीं, बल्कि अपने विधानसभा क्षेत्रों के लोगों के साथ भी धोखा किया है। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्ष के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नेता नहीं चाहते थे कि बजट पारित हो और इसके लिए वे कई अलोकतांत्रिक हथकंडे अपना रहे थे। प्रदेश की जनता ने पांच वर्ष के लिए सरकार चुनी है।

आने को है लोस चुनाव, लगने लगे सियासी दांव

ममता, केजरीवाल से लेकर अखिलेश ने संभाला मोर्चा

- नेताओं का एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप शुरू
- बीजेपी की पोल खोलों अभियान में जुटा विपक्ष
- अपनों को पार्टी से जाने से रोक नहीं पा रही सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी व बीजेपी लोक सभा चुनाव 2024 के लिए कमर कस चुके हैं। प्रधानमंत्री जहां उद्घाटव व शिलन्यास के बहाने विपक्ष पर निशाना साधने में जुटें है उससे ऐस लगता है कि वहां इसबार एनडीए को400 के पार पहुंचाने की कोशिश में जुट गए हैं। वहीं विपक्ष ने भी बीजेपी व मोदी सरकार को घेरने के लिए रणनीति बना ली है। बंगाल में ममता, तमिलनाडु में स्टालिन यूपी में अखिलेश, दिल्ली में राहुल व केजरीवाल ने मोर्चा संभाल लिया। विपक्षी गठबंधन केसारे सदस्य चारो ओ रसे मोदी सरकार पर हमलावर हैं। विपक्षी दलों की जहां भी सरकारें हैं वह लोकलुभावन योजनाओं से जनता को आकर्षित करने की फिराक में लंगी हैं। उम्मीद की जा सकती है आने वाले चुनाव में कुद नकुछ परिवर्तन दिखाई देगा

सपा के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व सांसद सलीम शेरवानी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की लेकिन बातचीत बेनतीजा रही। वहीं, एक के बाद पदाधिकारियों के साथ छोड़ने से यह साफ हो गया है कि अपनों को थामने की सपा की रणनीति कारगर साबित नहीं हो रही है। सपा में असंतोष के स्वर पिछली साल नवंबर में ही सामने आ गए थे, जब खीरी संसदीय सीट से दो बार सांसद रहे कद्दावर नेता रहे रवि प्रकाश वर्मा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव थे। उसके बाद जैसे ही सपा ने राज्यसभा चुनाव के तीन प्रत्याशी उतारे, यह असंतोष भगदड़ में बदल गया। सपा के राष्ट्रीय महासचिव व एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने पीडीए की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए पार्टी और विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया। सपा में स्वामी प्रसाद मौर्य और विधानसभा में उसके तत्कालीन मुख्य सचेतक मनोज पांडे, दोनों विपरीत ध्रुव की तरह माने जाते थे। दोनों एक-दूसरे को भाजपा का एजेंट बताते थे लेकिन राज्यसभा चुनाव के दौरान इन दोनों नेताओं ने सपा से अलग रास्ता अपना लिया। मनोज पांडे समेत सपा के सात विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को वोट दिया।

ममता बनर्जी वोट पाने के लिए चुनाव से ठीक पहले रिश्वत देती : भाजपा

ममता ने ऐलान पर बीजेपी सांसद दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी वोट पाने के लिए चुनाव से ठीक पहले रिश्वत देती हैं। दो महीने बाद वह कहेंगी कि हमारे पास पैसा नहीं है इसलिए हम यह योजना बंद कर रहे हैं। राज्य की जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। न तो महिला सुरक्षा है और न ही रोजगार/शिक्षा/स्वास्थ्य सेवाएं। लोग ममता बनर्जी से छुटकारा पाना चाहते हैं।

प्रत्याशियों को तय करने में पीडीए की उपेक्षा का आरोप

राज्यसभा प्रत्याशियों को तय करने में पीडीए की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए पांच बार के सांसद रहे सलीम शेरवानी ने भी राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका चुनाव क्षेत्र बदायूं रहा है। इसके बाद सपा ने बदायूं से धर्मेंद्र यादव के बजाय शिवपाल यादव को प्रत्याशी बनाया। शिवपाल ने सलीम शेरवानी को मनाने के लिए फोन किया। इस पर चार मार्च को लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सलीम शेरवानी के बीच मुलाकात हुई। सलीम ने कहा कि इस बैठक में उन्होंने सपा अध्यक्ष के सामने मुसलमानों के मामले में ढंग से आवाज न उठाने का मुद्दा रखा। सलीम का यह भी कहना है कि अखिलेश से हुई बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला। वे सहसवान में सेक्युलर फ्रंट के तहत बुधवार को एक बैठक कर रहे हैं। वहां अपने समर्थकों के साथ राय-मश्विरा करने के बाद यह तय करेंगे कि आगे क्या करना है। सपा के सचिव पद से इस्तीफा देने के बाद पूर्व विधायक आबिद रजा ही बागी रुख अपनाए हुए हैं। मंगलवार को सलीम शेरवानी भले लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात करने पहुंचे थे, लेकिन आबिद रजा बुधवार को होने वाली सेकुलर महापंचायत की तैयारियों में जुटे थे। मंगलवार को आबिद ने कई इलाकों में जनसंपर्क कर लोगों से महापंचायत में आने का आह्वान किया। सहसवान में महापंचायत की चल रहीं तैयारियां को भी देखा।

बसपा के खिसकते जनाधार को बढ़ाना आकाश के सामने बड़ी चुनौती

लोकसभा चुनाव में आकाश के सामने देश के कम से कम 24 राज्यों में जनाधार बढ़ाकर पार्टी के पहले के प्रदर्शन को सुधारने की ही बड़ी चुनौती है। दायित्व मिलने के बाद से आकाश दूसरे राज्यों में सक्रिय भी हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि युवा आकाश के राज्यों में आंबेडकर - कांशीराम के अनुयायियों और मायावती को जानने- मानने वाले खासतौर से दलित समाज के लोगों के बीच जाने से बुजुर्गों से लेकर युवा भी नीले झंडे के नीचे जुटते दिख रहे हैं, जिससे देर-सबेर बसपा के दिन फिर बहुरेंगे। बसपा के इतिहास में पार्टी के अब तक चार राज्यों में ही सांसद रहे हैं। उत्तर प्रदेश की तीन लोकसभा सीटों के अलावा बसपा ने पहले-पहल वर्ष 1989 में उस पंजाब राज्य की भी एक सीट पर जीत दर्ज की थी जहां से पार्टी के संस्थापक कांशीराम रहे हैं। वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश और 1998 में हरियाणा में भी पार्टी ने पहली बार खाता खोला था। राष्ट्रीय दल होने के बावजूद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के अलावा किसी भी दूसरे राज्य में न कोई सांसद जीता और न ही उसे उल्लेखनीय वोट मिले। पार्टी ने 26 राज्यों में चुनाव जरूर लड़ा, लेकिन उसे 50 प्रतिशत राज्यों में एक प्रतिशत भी वोट नहीं मिले। सात राज्यों में दो प्रतिशत से कम, जबकि पांच राज्यों में तीन से पांच प्रतिशत वोट ही हासिल हुए। उत्तर प्रदेश में ही सर्वाधिक 19.26 प्रतिशत मतदाताओं ने हाथी का बटन दबाकर पार्टी के 10 सांसद चुने थे। अबकी अकेले ही चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी बसपा प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश- उत्तराखंड को छोड़ देशभर में पार्टी का नीला परचम लहराने का दायित्व अब अपने भतीजे और पार्टी के नेशनल को-आर्डिनेटर आकाश आनंद को सौंप रखा है। चार दशक पुरानी बसपा की भविष्य में कमान संभालने वाले आकाश के सामने दूसरे राज्यों में पार्टी का खाता खोलने से पहले दलितों में हाथी की पैठ बढ़ाने की बड़ी चुनौती है। वर्तमान में पार्टी जिस दौर से गुजर रही है, उससे कहीं बेहतर स्थिति में तकरीबन तीन दशक पहले वर्ष 1996 में थी। मायावती ने दूसरे राज्यों में पार्टी की सेहत सुधारने के लिए अपने विश्वासपात्रों को कमान तो सौंपी, लेकिन कोई दम न दिखा सका। लगभग तीन माह पहले बड़ी उम्मीदों के साथ मायावती ने अपने युवा भतीजे आकाश को पार्टी का उत्तराधिकारी घोषित करने के साथ ही देश (उत्तर प्रदेश - उत्तराखंड छोड़) में हाथी की सेहत सुधारने का जिम्मा सौंपा है।

बागपत में 47 साल में पहली बार चुनावी मैदान में नहीं चरण सिंह का परिवार

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है। पार्टी प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पहली सीट बागपत है और दूसरी बिजनौर है। लेकिन दोनों ही सीटों पर चौधरी चरण सिंह के परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ रहा है। बीते 47 साल में यह पहली बार है, जब चौधरी चरण सिंह का परिवार चुनावी मैदान में नहीं उतरा है। बागपत से राजकुमार सांगवान और बिजनौर से चंदन चौहान को प्रत्याशी घोषित किया है। जबकि पहले चर्चा थी कि बागपत से जयंत चौधरी की पत्नी चारू चौधरी चुनाव लड़ सकती हैं. हलाकि, ऐसा नहीं हुआ। पूर्व पीएम चरण सिंह का परिवार लंबे समय से राजीति में एक्टिव है। चौधरी चरण सिंह ने 1977 में लोकसभा चुनाव लड़ा, तब से परिवार ने हर लोकसभा चुनाव लड़ा है। लेकिन 47 साल में पहली बार परिवार चुनावी मैदान में नहीं उतर रहा। चौधरी चरण सिंह ने 1977, 1980 और 1984 में चुनाव जीता था। ये चुनाव उन्होंने बागपत सीट से ही जीते। इसके बाद उनके बेटे चौधरी अजित सिंह ने बागपत सीट से 1989, 1991, 1996, 1997, 1999, 2004, 2009 में चुनाव लड़ा और लगातार सांसद बने थे। 2009 के बाद चौधरी अजीत और जयंत चौधरी दोनों लोकसभा चुनाव लड़ते रहे। बीते लोकसभा चुनाव अजित सिंह मुजफ्फरनगर सीट उतरे और जयंत चौधरी को बागपत से मैदान में उतारा लेकिन दोनों की हुई हार हुई।

मप्र में कमलनाथ को झटका भाजपा में शामिल हुए छिंदवाड़ा के सात कांग्रेस पार्षद

वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ को उस समय झटका लगा जब मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा नगर निगम में उनकी पार्टी के सात पार्षदों ने लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रति निष्ठा बदल ली। नगरसेवक अपने समर्थकों के राज्य की राजधानी भोपाल में राज्य के शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के आवास पर,फिर एक बार मोदी सरकार५ के नारे लगाते हुए भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा की एक विज्ञप्ति के अनुसार, पार्षद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास पहल से प्रभावित थे। छिंदवाड़ा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का गढ़ है, जो वर्तमान में इस विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा राज्य से गुजर रही है। 2019 के आम चुनाव में मध्य प्रदेश की कुल 29 लोकसभा सीटों में से भाजपा को 28 सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस ने केवल छिंदवाड़ा सीट जीती। यहां बता दें कि कमलनाथ छिंदवाड़ा लोकसभा सीट का नौ बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

बंगाल में मोदी को विकास से मात देंगी ममता

एकतरफ बीजेपी व पीएम मोदी बंगाल में सीएम ममता को घेरने में लगे है तो वह वहां पर लोगों के बीच विकास की योजनाओं के सहारे लोकसभा चुनाव पर नजर लगाई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले 1 अप्रैल से राज्य में आंगनवाड़ी और मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कार्यकर्ताओं के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा करते हुए कहा, मां, माटी और मानुष की सरकार हमेशा लोगों के साथ रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना के तहत सहायकों को, जिन्हें वर्तमान में लगभग 6,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं, 1 अप्रैल से 500 रुपये और मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अप्रैल से आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन में 750 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।अपने बयान में ममता ने कहा कि अप्रैल से

आशा कार्यकर्ताओं के वेतन में 750 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वे हमारा गौरव हैं क्योंकि वे बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। वो हर बुरे वक्त में हमारा साथ देते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन भी अप्रैल से 750 रुपये बढ़ा दिया गया है। आईसीडीएस सहायकों को लगभग 6,000 रुपये मिलते हैं, 1 अप्रैल से उनका वेतन 500 रुपये बढ़ जाएगा। मुझे उम्मीद है कि वे जीवन में अच्छा करेंगे। मां माटी मानुष सरकार हमेशा लोगों के साथ रहेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पर्यावरण बचाने को एतिहासिक फैसला

जानवरों के पर्यवास क्षेत्र में अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने फटकार लगाते हुए कहा कि राजनेताओं और वन अधिकारियों के बीच सांठगांठ के चलते पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है। राज्य प्रशासन और राजनेताओं ने सार्वजनिक विश्वास के सिद्धांत को कूड़ेदान में फेंक दिया है। पीठ ने कहा, मामला जांच के लिए सीबीआई के पास है। इसलिए हम इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा हमने नोटिस किया है कि यह काम केवल दो व्यक्तियों द्वारा नहीं किया जा सकता है। इसमें कई अन्य लोग भी शामिल होंगे। दरअसल, जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण व बफर क्षेत्र में बाघ सफारी स्थापित करने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण, पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी किशन चंद को फटकार लगाई।

दरअसल, जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण व बफर क्षेत्र में बाघ सफारी स्थापित करने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में अवैध निर्माण, पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी किशन चंद को फटकार लगाई।

न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि साल 2021 में वन मंत्री रहे रावत और पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी के वैधानिक प्रावधानों को पूरा करने के दुस्साहस से हैरान हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में बाघ सफारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वकील गौरव कुमार बंसल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जांच पर अंतरिम रिपोर्ट प्रदान करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि सफारी बफर क्षेत्र में हो सकती है या नहीं यह बताया जाए।सुप्रीम कोर्ट की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने इससे पहले रावत और चंद को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के कालागढ़ वन प्रभाग के पखरो और मोरघट्टी वन क्षेत्रों में 2021 में टाइगर सफारी के संबंध में निर्माण सहित विभिन्न अवैध गतिविधियों के लिए जिम्मेदार ठहराया था। समिति ने शीर्ष अदालत को सौंपी अपनी रिपोर्ट में रावत और चंद को अवैध गतिविधियों का दोषी ठहराया है। साथ ही उत्तराखंड सतर्कता विभाग को अनियमितताओं में शामिल वन अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया है। समिति ने कहा था कि जब मीडिया पखरो और मोरघट्टी में सभी प्रकार की गड़बड़ियों की रिपोर्टिंग कर रहा था, तब तत्कालीन मुख्य वन्यजीव वार्डन और राज्य सरकार ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टाइगर रिजर्व में अवैध निर्माण के संबंध में रावत और चंद के आवासों पर छापा मारा था। यह फैसला पर्यावरण प्रमियों के लिए सुखद है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए 'विकसित भारत 2047' के लिए दृष्टि पत्र और अगले पांच वर्षों के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना पर विचार-मंथन किया गया। 'विकसित भारत' के लिए यह 'रोडमैप' दो साल से अधिक की गहन तैयारी का परिणाम है। इस रोडमैप को तैयार करने में देश के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों, शिक्षाविदों, उद्योग संगठनों, नागरिक समाज, संस्थाओं, वैज्ञानिक संगठनों के साथ व्यापक परामर्श के लिए आयोजित विभिन्न स्तरों पर करीब 2,700 से अधिक बैठकों, कार्यशालाओं और सेमिनारों के साथ युवाओं से प्राप्त सुझावों की अहम भूमिका रही है। विकसित भारत के लिए इस रोडमैप के लक्ष्यों में आर्थिक विकास, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), जीवन को आसान बनाना, व्यापार करने में आसानी, बुनियादी ढांचा और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

29 फरवरी को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अक्तूबर से दिसंबर के तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.4 फीसदी की तेज दर से बढ़ा है। अब एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.6 फीसदी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि विगत 10 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गई है। माना जा रहा था कि भारत 2026 में जापान को पीछे कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पिछले दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर जारी विस्तृत रिपोर्ट 'द इंडियन इकोनॉमी ए रिव्यू' में कहा गया है कि वर्ष 2027 साल में ही भारतीय अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी और भारत आर्थिक आकार के लिहाज से अमेरिका व चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पिछले एक दशक में साहसिक आर्थिक निर्णयों ने देश की आर्थिक बुनियाद को मजबूत बना दिया है।

भारत के पास आज टिकाऊ विकास के अभूतपूर्व अवसर हैं। तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के कारण दुनिया के अधिकांश देशों की भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की ललक, प्रवासी भारतीयों द्वारा पिछले वर्ष 2023 में 125 अरब डॉलर

से अधिक धन भारत को भेजने के साथ नए आर्थिक तकनीकी विकास के लिए बढ़ते कदम, चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में उभरकर सामने आया है। दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान, दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, देश में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, बड़े पैमाने पर पूंजीगत खर्च, गैर-जरूरी आयात में कटौती और अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन सकती हैं। शेयर बाजार भी दुनिया में ऊंचाइयों पर रेखांकित होते हुए दिखाई दे रहा है। भारत द्वारा पिछले वर्ष 2023 में की गई जी-20 की सफल अध्यक्षता से भारत के लिए अब नए आर्थिक लाभों की शृंखला शुरू हो गई है। इससे भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आ रहा है। ज्ञातव्य है कि वैश्विक स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले 20 देशों की सूची में आठवें पायदान पर है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी मार्च, 2024 की शुरुआत में करीब 620 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया है। निस्संदेह, देश को कई आर्थिक चुनौतियों पर भी ध्यान देना होगा। देश के सामने डॉलर की तुलना में रुपये के गिरते हुए मूल्य की चुनौती भी है। भारत को आईएमएफ की उस चेतावनी पर भी ध्यान देना होगा जिसमें कहा गया है कि भारत में केंद्र और राज्यों का सामान्य सरकारी कर्ज जीडीपी के 100 फीसदी के पार पहुंच सकता है। साथ ही भारत के आर्थिक रणनीतिकारों को वैश्विक आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों के मद्देनजर रक्षात्मक रणनीति बनाने के लिए भी तैयार रहना होगा।

कोशिश हो कि हमारे स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय नई पीढ़ी को भविष्य की जरूरतों से सुसज्जित करने के गढ़ बनें। छोटे और मध्यम उद्योगों, कृषि एवं हैंडीक्राफ्ट सेक्टर के लिए मार्केटिंग की नई रणनीति बनाई जाए। इससे रोजगार और निर्यात भी बढ़ेंगे। हम उम्मीद करें कि विकसित भारत के लक्ष्य के साथ आने वाली सरकार आर्थिक और वित्तीय सुधार, कृषि और श्रम सुधार, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता के साथ-साथ मजबूत बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी ध्यान दे।

वित्तीय स्थायित्व पर ध्यान दें नवउद्यम

सुषमा रामचंद्रन

भारतीय नवउद्यम क्षेत्र (स्टार्टअप्स) सकते में है। इसका प्रतीक चेहरा बनी कंपनी आज गहरे वित्तीय संकट में फंस चुकी है। 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के साथ डेकाकॉर्न श्रेणी में आती इस कंपनी की मूल्यांकन कीमत आज अवमूल्यन उपरांत रसातल में है। एक वक्त 22 बिलियन डॉलर मूल्य छू चुकी बायजूस कंपनी स्टार्टअप्स सूची में कई साल लगातार शीर्ष स्थान पर बनी रही। लेकिन अब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में इसके खिलाफ अनेकानेक मामले चले हुए हैं और देसी एवं विदेशी निवेशक इसके संस्थापक बाइजू रविन्द्रन को प्रबंधन से निकाल बाहर करने को उतावले हैं। इसी बीच, देशव्यापी मौजूदगी वाली कंपनी पेटीएम को भी फरवरी में करोड़ों उपभोक्ताओं के लिए अपनी लोकप्रिय वॉलेट सुविधा बंद करनी पड़ी है।

इसके पीछे रिजर्व बैंक का सख्त आदेश है, जिसमें बताया गया कि यह रोक उसके दिए पूर्व आदेशों की लगातार उल्लंघना के कारण लगानी पड़ी है। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा, जिन्हें आमतौर पर देश में डिजिटल पेमेंट का सूत्रधार माना जाता है, को आलोचना की लहर थामने को पेटीएम पेमेंट बैंक का अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा है। फिलहाल, बायजूस घोर वित्तीय संकट में फंसा एक स्टार्टअप है। कभी सफलता के झंडे गाड़ने वाली इस एडटेक कंपनी की गाथा जानी-पहचानी है। बायजूस ने अपनी शुरुआत वर्ष 2011 में मूलत: एक ऑफलाइन शिक्षा-प्रदाता उद्यम के रूप में की थी और 2015 में ऑनलाइन पढ़ाई करवाने का नूतन इंटरएक्टिव तरीका ईजाद किया। कोविड-19 महामारी आने से इसको काफी लाभ हुआ, जब ऑनलाइन शिक्षा एक फौरी जरूरत बनी। इसने स्कूल से लेकर कॉलेज स्तर तक की सभी कक्षाओं की ट्यूशन प्रदान करनी शुरू की और इस काल में करोड़ों छात्रों ने इसकी सेवाओं का उपयोग किया। अपार सफलता होते देख, देसी एवं विदेशी निवेशकों ने कंपनी के शेयरों में खुलकर धन लगाना शुरू किया, जैसे कि नामी वेंचर कैपिटल कंपनियां- सीक्योइया कैपिटल, प्रोसेस एंड ब्लैकरॉक और कत्तर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी इत्यादि। वर्ष 2022 में बायजूस का मूल्यांकन बढ़कर 22 बिलियन डॉलर छू गया।

तब इसने अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाली एडटेक कंपनियों का तेजी से अधिग्रहण करना शुरू किया। नतीजतन, ऑफलाइन पढ़ाई करवाने में मशहूर 'आकाश' नामक कंपनी के अलावा 'द ग्रेट लर्निंग' और 'एपिक' जैसी नामी कंपनियों को बायजूस की 'थिंक एंड लर्न' नामक इकाई ने खरीद लिया। इन घटनाओं के संदर्भ में, विश्लेषकों का दावा है कि अधिग्रहण करने में सुव्यवस्थित ढंग अपनाने की कमी रही, लेकिन उस वक्त किसी ने इसको लेकर आलोचना की हो, याद नहीं पड़ता। परंतु कोविड उपरांत काल में बायजूस का सितारा मद्धम पड़ने लगा। मीडिया रिपोर्टें आने लगीं कि बायजूस के मार्केटिंग विभाग के लोग ऑनलाइन ट्यूशन कोर्स थोपने के लिए जोर-जबरदस्ती वाले तरीके अपना रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा की मांग सिकुड़ने लगी, जिससे न केवल बायजूस बल्कि कोविड महामारी में चोखी कमाई करने वाला पूरा एडटेक क्षेत्र प्रभावित होने लगा। जैसे-जैसे कंपनी का घाटा बढ़ने लगा, वित्तीय कुप्रबंधन और फिजूलखर्ची के आरोप लगने शुरू हुए और उप-सेवा प्रदाता कंपनियों को भुगतान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कोविड काल में, बायजूस ने भारतीय क्रिकेट टीम का प्रायोजन किया और लायोनेल मैसी जैसे फुटबॉल सुपरस्टार को ब्रांड एम्बेसडर बनाने पर खर्च किया। निवेशकों का आरोप है कि वित्तीय मामलों में अपारदर्शिता बरती गई, जिसके चलते लेखा-परीक्षक कंपनी डेलोइट्टे को काम छोड़ना पड़ा। निवेशक अब कंपनी के प्रबंधन से रविन्द्रन और उनके परिवार को पूरी तरह हटाना चाहते हैं, जबकि रविन्द्रन कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने रहने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। फिलहाल उच्च न्यायलय के एक फैसले ने इस प्रकार के किसी निर्णय पर रोक लगा रखी है। इसी बीच, प्रताड़ना और कुप्रबंधन की शिकायतों ने एनसीएलटी को सुनवाई जल्द करने के लिए उत्प्रेरक का काम किया तो वहीं कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री ने भी अपनी ओर से कंपनी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

अन्य शब्दों में, जिस कंपनी ने कभी डेकाकॉर्न का खिताब अर्जित किया, आज वह गहन वित्तीय संकट में है। इस प्रसंग से स्टार्टअप बिरादरी के लिए सामान्य तौर पर और एडटेक सेक्टर के लिए विशेष तौर पर बहुत सारे सबक सीखने को हैं। प्रथम, स्टार्टअप्स वेंचर्स के लिए एक दक्ष प्रबंधन के अतिरिक्त निवेशकों-संस्थापकों के बीच निकट संबंध बनाए रखना जरूरी है। द्वितीय, अधिग्रहण हेतु बहुत बड़ी मात्रा का निवेश प्राप्त करते वक्त वित्तीय विशेषज्ञों द्वारा सावधानीपूर्वक आकलन करना अत्यंत जरूरी है। तृतीय, संस्थापकों की भले ही किसी विधा विशेष में महारत हो, जैसे कि रविन्द्रन की पढ़ाने में है, जरूरी नहीं उनके पास यथेष्ट व्यापारिक अक्ल भी उतनी हो। यहां पर अनुभवी और विश्वसनीय परामर्शदाताओं के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। पेटीएम की तरह इस मामले में भी, नियामक संस्था द्वारा निर्धारित नियमों की पालना करना बहुत महत्व रखता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने विशेष तौर पर कहा है कि पेटीएम पेमेंट बैंक के लेनदेन को निलंबित करने वाला सख्त निर्णय तब लेना पड़ा जब कंपनी खातों की निगरानी संबंधित उसके सिलसिलेवाराना दिशा-निर्देशों की पालना करने में विफल रही। पेटीएम ने केवाईसी (उपभोक्ता शिनाख्त प्रमाण) नियमों को लागू करने में जो ढुलमुलता दिखाई, उसका लाभ उठाकर किन्हीं तत्वों द्वारा काला धन इधर-उधर करने की सूचनाएं आने लगीं।

उपवास में इनके सेवन से मिलेगी ऊर्जा

हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। इस साल महाशिवरात्रि का त्योहार 8 मार्च को मनाया जाएगा। मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भोलेनाथ और मां पार्वती का विवाह हुआ था। ऐसे में इस दिन मंदिरों में धूमधाम से शिव विवाह आयोजित कराया जाता है। ये दिन काफी खास होता है, ऐसे में इस पवित्र दिन पर भक्त मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं और व्रत-उपवास रखते हैं और शिव शंभू के साथ देवी पार्वती की पूजा अर्चना करते हैं। बहुत से लोग इस दिन फलाहार खाकर व्रत रखते हैं, लेकिन कई लोग ऐसे होते हैं, जो व्रत में नमक नहीं खाते। तो हम आप इन पेय पदार्थों को पीकर न सिर्फ आपका पेट भरा रहेगा, बल्कि साथ में आपके शरीर में इसे पीने से दिनभर ऊर्जा बनी रहेगी।

स्ट्रॉबेरी शेक

अगर आपके घर के आस-पास आसानी से स्ट्रॉबेरी मिल जाती हैं, तो आप व्रत वाले दिन आसानी से स्ट्रॉबेरी शेक बना सकते हैं। इसका सेवन बच्चे भी काफी मन से करते हैं। ऐसे में आप स्ट्रॉबेरी शेक बनाकर उन्हें भी दे सकते हैं। इसके अलावा एंटीऑक्सीडेंट्स, पौधों के यौगिकों और अन्य विशाल पोषक तत्वों का पावरहाउस, स्ट्रॉबेरी मोतियाबिंद को रोकने में सहायता करती हैं। स्ट्रॉबेरी में यह अनूठा घटक अल्फा हाइड्रॉक्सिल एसिड होता है जो त्वचा को भीतर से साफ करने और इस तरह मृत त्वचा कोशिकाओं को खत्म करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्ट्रॉबेरी विटामिन सी का एक बड़ा स्रोत है, एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व जो विभिन्न वायरस और जीवाणु संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

मिल्क शेक

अगर आप साधारण मिल्क शेक भी बनाकर पिएंगे, तो इससे आपका पेट भरा रहेगा। इसके साथ ही आपके शरीर में भी ऊर्जा बरकरार रहेगी। पाचन तंत्र सही रहता है इसके अलावा इसमें फाइबर भी काफी अच्छी मात्रा में होता है। बनाना शेक कब्ज और पेट के लिए काफी लाभदायक है।

पपीते का शेक

पपीते में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते रहते हैं। इसके सेवन से शरीर काफी हाइड्रेटेड भी रहता है। ऐसे में महाशिवरात्रि के व्रत में आप पपीते का शेक बनाकर इसका सेवन कर सकते हैं। इसे आप दिन में दो से तीन बार पी सकते हैं। अगर आप अपना वजन कम करने की योजना बना रहे हैं, तो पपीते को डाइट में जरूर शामिल करें। पपीते में फाइबर होता है। इससे तैयार जूस आपको लंबे समय तक तृप्त रखता है। पपीते के शेक में कुछ ऐसे तत्व मौजूद होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करते हैं। इसे पीने से इम्यूनिटी लेवल बढ़ती है। इसमें विटामिन सी होता है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाता है और कई तरह के संक्रामक रोगों से बचाए रखता है।

अमरूद का शरबत

इस मौसम में अमरूद आने लगते हैं। यह फल अन्य फलों के मुकाबले सस्ता भी होता है। इस वजह से भी लोग इसे खूब खाते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर अमरूद पेट के लिए बहुत बढ़िया फल होता है। ऐसे में अगर व्रत में आप अमरूद का शरबत बनाकर पिएंगी, तो आपके शरीर में दिनभर ऊर्जा बरकरार रहेगी। इसे बनाना भी आसान है। ऐसे में व्रत वाले दिन खुद भी इसका सेवन करें, और चाहें तो अमरूद का शरबत बना सकते हैं। इसमें विटामिन सी काफी अधिक होता है, इसलिए यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। यह शरीर को इंफेक्शन और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। प्रतिदिन विटामिन सी का इनटेक इम्यूनिटी को स्ट्रॉन्ग बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है।

हंसना मना है

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है। एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और, अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, दोस्त भी कुर्बान।

व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति: बचाओ गणेश जी बचाओ, गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति: आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी: तू भी तो मेरे विसर्जन में नाचता है।

स्कूल में परीक्षा के समय इतिहास के पेपर में जो सवाल नहीं आता था उसको पप्पू खली छोड़ देता था... लेकिन गलत लिख के कभी इतिहास से छेड़छाड़ नहीं करता था....

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

कहानी — गौरैया और घमंडी हाथी

एक पेड़ पर एक चिड़िया अपने पति के साथ रहा करती थी। चिड़िया सारा दिन अपने घोंसले में बैठकर अपने अंडे सेती रहती थी और उसका पति दोनों के लिए खाने का इंतजाम करता था। वो दोनों बहुत खुश थे और अंडे से बच्चों के निकलने का इंतजार कर रहे थे। एक दिन चिड़िया का पति दाने की तलाश में अपने घोंसलें से दूर गया हुआ था और चिड़िया अपने अंडों की देखभाल कर रही थी। तभी वहां एक हाथी मदमस्त चाल चलते हुए आया और पेड़ की शाखाओं को तोड़ने लगा। हाथी ने चिड़िया का घोंसला गिरा दिया, जिससे उसके सारे अंडे फूट गए। चिड़िया को बहुत दुख हुआ। उसे हाथी पर बहुत गुस्सा आ रहा था। जब चिड़िया का पति वापस आया, तो उसने देखा कि चिड़िया हाथी द्वारा तोड़ी गई शाखा पर बैठी रो रही है। चिड़िया ने पूरी घटना अपने पति को बताई, जिसे सुनकर उसके पति को भी बहुत दुख हुआ। उन दोनों ने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का निर्णय लिया। वो दोनों अपने एक दोस्त कठफोड़वा के पास गए और उसे सारी बात बताई। कठफोड़वा बोला कि हाथी को सबक मिलना ही चाहिए। कठफोड़वा के दो दोस्त और थे, जिनमें से एक मधुमक्खी थी और एक मेंढक था। उन तीनों ने मिलकर हाथी को सबक सिखाने की योजना बनाई, जो चिड़िया को बहुत पसंद आई। अपनी योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने हाथी के कान में गुनगुनाना शुरू किया। हाथी जब मधुमक्खी की मधुर आवाज में खो गया, तो कठफोड़वे ने आकर हाथी की दोनों आखें फोड़ दी। हाथी दर्द के मारे चिल्लाने लगा और तभी मेंढक अपने परिवार के साथ आया और एक दलदल के पास टर्रटराने लगा। हाथी को लगा कि यहां पास में कोई तालाब होगा। वह पानी पीना चाहता था, इसलिए दलदल में जाकर फंसा। इस तरह चिड़िया ने मधुमक्खी, कठफोड़वा और मेंढक की मदद से हाथी से बदला ले लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। किस्मत मेहरबान रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा।

मिथुन नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

कर्क पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुम्भ प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किस्मत मेहरबान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा।

मीन शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मैंने ट्रोलर्स को इग्नोर करना सीख लिया : जान्हवी

जान्हवी कपूर ने साल 2018 में फिल्म धक से डेब्यू किया था। इस फिल्म में कुछ लोगों को उनकी एक्टिंग पंसद आई थी, वहीं कुछ लोग उन्हें नेपोटिज्म को लेकर खूब ट्रोल किया था। धड़क के बाद जान्हवी ने बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। एक्ट्रेस पर नेपोटिज्म का टैग लगा दिया गया। हाल ही में अभिनेत्री इस मुद्दे पर अब खुल कर अपनी राय रखी है। जान्हवी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। एक्ट्रेस इस दौरान कहा, मैं पहले ट्रोलिंग से बहुत ज्यादा इफेक्ट होती थी। मुझे लगता था कि इतनी मेहनत कर रही हूं, फिर भी लोग ऐसे कैसे किसी को भी नेपोटिज्म का टैग देते हैं। मैं अपनी हर फिल्म में पिछली फिल्म से बेहतर काम करने की कोशिश करती हूं। फिर भी यही सुनने को मिलता है तो बहुत दुख होता है।

जान्हवी कपूर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि लोग शायद जान-बूझकर किसी की मेहनत और ईमानदारी को इग्नोर करते हैं। उन्हें बस ट्रोल करने से मतलब होता है। अब ये बात मैं समझ चुकी हूं कि ट्रोल्स अपने आप में उदास और हताश लोग होते हैं, जो किसी की खुशी को नहीं देख सकते हैं। अब मैं उन्हें इग्नोर करना सीख लिया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर कई बड़ी फिल्मों में दिखने वाली हैं। इनमें जूनियर एनटीआर के देवरा से लेकर राम चरण की अगली फिल्म आरसी 16 लिस्ट में शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरसी 16 का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी नजर आएंगी।

बॉलीवुड और हॉलीवुड के बीच कोई बैरियर नहीं : रश्मिका मंदाना

साउथ की चर्चित एक्ट्रेस रश्मिका मंदना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पुष्पा 2 को लेकर चर्चा में हैं। आखरी बार एक्ट्रेस को एनिमल में देखा गया था, फिल्मन ऑफिस पर बंपर कमाई थी। कुछ लोगों को फिल्म की कहानी पसंद आई थी तो वहीं कुछ लोगों ने फिल्म को टॉक्सिक बताया था। इस सब के बीच रश्मिका ने साउथ वर्सेस बॉलीवुड मुद्दे पर भी अपनी राय सामने रखी है। साउथ और हिंदी में खुद को स्थापित करने वालीं रश्मिका मंदाना ने एक हालिया इंटरव्यू में साउथ वर्सेज नॉर्थ मुद्दे पर बात की है। रश्मिका का कहना है कि उन्हें लगता है अब हम सभी को साउथ या बॉलीवुड नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा बोलना शुरू कर देना चाहिए। हम सभी एक जैसे हैं और हमारा काम भी एक जैसा ही है। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि अब साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री के बीच कोई बैरियर नहीं है। हम सब एक साथ मिलकर काम करते हैं। इस एक बदलाव से मैं बहुत ज्यादा खुश हूं।

बता दें कि कुछ दिन पहले रश्मिका ने बातों बातों में पुष्पा 3 को लेकर एक बड़ा हिंट दिया था। उन्होंने कहा था कि एक्ट्रेस ने कहा था कि यह एक ऐसी कहानी है, जिसका कोई अंत नहीं है। यह बेहद मजेदार है। वहीं सुकुमार की पुष्पा फ्रेंचाइजी को लेकर फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन ने भी इसके अगले पार्ट पर मुहर लगा दिया है। एक्टर ने कहा था कि एक्टर ने कहा कि आप निश्चित रूप से फिल्म के तीसरे पार्ट की उम्मीद कर सकते हैं। बता दें कि पुष्पा 2-द रूल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रश्मिका मंदाना ने अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म गुडबाय (2022) से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ ओटीटी रिलीज फिल्म मिशन मजनू में भी नजर आई थीं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने रणबीर कपूर और बॉबी देओल के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में काम किया।

पुष्पा-2 में हुई संजय दत्त की एंट्री

इस साल की शुरुआत से ही फिल्म फैन्स में जिन फिल्मों के लिए एक्साइटमेंट सबसे ज्यादा है। पुष्पा 2 उनमें से एक है। अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा ने देशभर में जो माहौल बनाया उसने फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी जमकर कमाई जुटाकर दी। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा कमाने वाली इस फिल्म का सोशल मीडिया पर अलग ही क्रेज था। अब पुष्पा 2 पर काम शुरू हो चुका है और इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म की हर डिटेल बहुत दबाकर रखी जा रही है। मगर अन एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है जिससे

देशभर के फिल्म फैन्स की खुशी अलग लेवल पर चली जाएगी।

रिपोर्ट्स का मानें तो अल्लू अर्जुन स्टारर पुष्पा 2 में बॉलीवुड के खलनायक की एंट्री होने जा रही है। सियासत की एक रिपोर्ट बताती है कि संजय दत्त को, डायरेक्टर सुकुमार की इस फिल्म में एक रोल के लिए अप्रोच किया गया है। बता दें कुछ ही दिनों पहले ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि पुष्पा के डायरेक्टर सुकुमार ने, सीक्वल के लिए किसी ए-ईस्ट बॉलीवुड एक्टर को कास्ट करने का फैसला किया है। अब संजय के इस फिल्म में काम करने की खबर का सामने आना फैन्स के लिए एक एक्साइटिंग डेवलपमेंट है। रिपोर्ट्स में ये भी सामने आया कि संजय का किरदार पुष्पा-2 में कैसा होने वाला है। बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक बड़े प्रभावशाली व्यक्ति का किरदार निभाने वाले हैं। उनका किरदार कहानी के प्लॉट में एक एक्स्ट्रा लेयर ऐड करेगा। हालांकि ये भी बताया गया है कि संजय पूरी फिल्म में नहीं होंगे, उनका किरदार एक लंबा कैमियो होगा।

इससे पहले ये भी रिपोर्ट्स आई थीं कि पुष्पा 2 में दमदार एक्टर मनोज बाजपेयी भी काम करने जा रहे हैं। रॉकिंग स्टार यश की केजीएफ चैप्टर 2 के बाद से ही संजय दत्त की डिमांड काफी ज्यादा है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि पुष्पा 2 में संजय का किरदार नेगेटिव शेड्स के साथ आता है या नहीं।

अजब-गजब | बस 400 मीटर लंबा, जान जोखिम में डाल प्लेन उतारते हैं पायलट!

ये है दुनिया का सबसे छोटा एयरपोर्ट

किसी भी एयरपोर्ट पर हवाई जहाज के उड़ान भरने से लेकर उसे नीचे उतारने तक रनवे की एक सीमा होती है। उसी के मुताबिक, किसी भी एयरपोर्ट का निर्माण किया जाता है। सुरक्षा के लिहाज से इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। दुनियाभर के ज्यादातर एयरपोर्ट का रनवे कम से कम 1.8 किलोमीटर से लेकर 4 किलोमीटर तक होता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे एयरपोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके रनवे की लंबाई महज 400 मीटर ही है। यहां एक छोटी सी चूक का मतलब बड़ा हादसा। प्लेन सीधे समुद्र में समा जाएगी।

हम जिस एयरपोर्ट की बात कर रहे हैं, उसका नाम जुआनचो ई। यरौस्किन हवाई अड्डा है, जो नीदरलैंड के सबा आइलैंड र बना है। इस कमर्सियल एयरपोर्ट का रनवे न सिर्फ छोटा है, बल्कि समुद्र और चट्टानों के किनारे बना है। ऐसे में एक छोटी सी गलती की वजह से प्लेन के समुद्र में गिरने का जोखिम बना रहता है। कमजोर दिलवाले पायलट यहां पर अपने प्लेन को लैंड नहीं करवा सकते, क्योंकि यहां लैंडिंग के लिए केवल बहादुरी ही नहीं, बल्कि कौशल की भी आवश्यकता होती है। इसे दुनिया में सबसे डरावनी लैंडिंग माना जाता है।

ये एयरपोर्ट भले ही कमर्सियल हो, लेकिन यात्री विमान भी यहां उतारे जाते हैं। प्लेन से आए पैसेंजर्स को इस आइलैंड पर अक्सर मैं सबा लैंडिंग से बच गया वाला शर्ट पहने देखा जा सकता है। बता दें कि इस एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित पायलटों के एक समूह की आवश्यकता होती है। हालांकि, हवाई अड्डे से उड़ान भरना भी उतना ही रोमांचकारी है, जितना प्लेन को उतारना, क्योंकि जब विमान चट्टान से नीचे की ओर तेजी से बढ़ता है तो यात्री अपनी सांसें रोक लेते हैं। जैसे ही विमान चट्टान और रनवे के अंत तक पहुंचता है और चंद सेकंड में हवा में उड़ान भरता है, तभी पैसेंजर्स राहत की सांस ले पाते हैं। हालांकि, इस एयरपोर्ट पर प्लेन को उतारना किसी फिल्मी स्टंट से कम नहीं है। ऐसा केवल एड्रेनालाईन-जंकी द्वारा ही किया जा सकता है और अनुभवी एविएटर कैप्टन रोजर हॉज उनमें से एक हैं। एड्रेनालाईन से तात्पर्य, तनाव में शारीरिक स्थिति को कंट्रोल करने वाले हार्मोन से है। कैप्टन रोजर हॉज ने सीएनएन को बताया, ‘एक पायलट के रूप में मुझे सबा में जाना बहुत पसंद है, क्योंकि वहां जाने के बाद ही आप अपने अनुभव को पूरा इस्तेमाल में लाते हैं। ऐसा करते हुए आपको यात्रियों और जमीन पर मौजूद लोगों द्वारा देखा जा रहा है, लेकिन आपको बस उस मशीन को उड़ाना है।

बता दें कि इस छोटे रनवे पर उतरने वाले पहले व्यक्ति एक महत्वाकांक्षी एविएटर रेमी डी हेनेन थे। उन्होंने 9 फरवरी, 1959 को सबा द्वीप पर पहली बार लैंडिंग की। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए पूरा शहर मौजूद था। इसके बाद से लगातार प्लेन लैंड करवाए जाने लगे। इस छोटे से आइलैंड की कुल आबादी 1990 है, जबकि हर साल यहां पर 9 हजार से अधिक टूरिस्ट आते हैं। सबा के लिए ये एयरपोर्ट लाइफलाइन है, क्योंकि इसी के जरिए स्थानीय लोगों को चिकित्सा उपचार के लिए ले जाता है और दूसरी तरफ से आगंतुकों को लाया जाता है।

साबुन लाल-पीला तो झाग का रंग सफेद क्यों? इंट्रेस्टिंग है फैक्ट

सोशल मीडिया पर कई बार ऐसे सवाल पूछे जाते हैं, जो सोचने पर मजबूर कर देते हैं। लेकिन हकीकत में इनके पीछे काफी इंट्रेस्टिंग फैक्ट होता है। ऐसा ही एक सवाल पूछा गया कि जब साबुन या शैंपू नारंगी, हरा, गुलाबी, पीला या लाल होता है, तो फिर उसका झाग हमेशा सफेद ही क्यों होता है? क्या यह थोड़ा अजीब नहीं है? तमाम लोगों ने अपनी-अपनी जानकारी के हिसाब से जवाब दिया। लेकिन इसके पीछे वजह क्या है? साइंस एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, साबुन को पानी में घोलने पर जो परत बनती है वह काफी पतली होती है। यह पूरी तरह पारदर्शी होती है। इसके पीछे की वजह प्रकाश है। जब प्रकाश साबुन के घोल में प्रवेश करता है, तो उसे कई छोटे साबुन के बुलबुले, यानी कई सतहों से गुजरना पड़ता है। ये अनगिनत सतहें प्रकाश को अलग-अलग दिशाओं में बिखेरती हैं, जिससे उसके अंदर प्रकाश की मात्रा काफी ज्यादा हो जाती है और झाग नजर आने लगता है। झाग सफेद इसलिए भी होता है क्योंकि साबुन और शैंपू को रंग देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कलर अत्यधिक पतले होते हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो वे साबुन को रंगने के लिए केवल थोड़ी सी डाई का उपयोग करते हैं। जब हम झाग बनाने के लिए साबुन को पानी में रगड़ते हैं, तो डाई की अविश्वसनीय रूप से सूक्ष्म मात्रा झाग के निर्माण में चली जाती है। इस प्रकार, शुरुआत में फोम में थोड़ा या लगभग नहीं के बराबर रंग बच जाता है। इसी वजह से फोम पूरी तरह से सफेद दिखता है।

आदिवासी इस देश के असली मालिक : राहुल

राजस्थान की सीमा में प्रवेश की न्याय यात्रा

» पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला

» किसानों को एमएसपी की लीगल गारंटी देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धार/रतलाम। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने रतलाम जिले में प्रवेश किया। धार राहुल गांधी की यात्रा रतलाम जिले की सैलाना तहसील के आदिवासी बाहुल्य ग्राम सरवन में रात्रि विश्राम कर गुरुवार 7 मार्च को राजस्थान में प्रवेश करेगी। रतलाम में रोड शो के राहुल गांधी ने भाजपा सरकार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। राहुल ने कहा कि मोदी सरकार में अंबानी-अडाणी जैसे लोगों की ही जय हो रही है। राहुल ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों की पेंशन भी बंद कर दी। सैनिकों की पेंशन का पैसा बिजनेस मैन के अकाउंट में जा रहा है।

बीजेपी आपको आदिवासी की बजाय वनवासी कहती हैं। क्योंकि आदिवासी इस देश के असली मालिक हैं। अगर वे आपको आदिवासी कहेंगे तो उन्हें आपको जल, जंगल, जमीन देनी पड़ेगी। हम आपको आदिवासी मानते हैं। इसलिए आपके लिए ट्राइबल बिल लाए। जमीन अधिग्रहण बिल लाए। आपको आपका हक देने का काम किया। राहुल गांधी बोले मुझे किसी ने एक वीडियो भेजा, उसमें भाजपा का एक नेता एक आदिवासी युवा पर पेशाब कर रहा था। मैंने सोचा ये कैसी सोच है, वो वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ। ये भाजपा की विचारधारा है। सिर्फ आदिवासी के साथ नहीं, दलितों के साथ, गरीबों के साथ, जहां भी ये कमजोर लोगों का अपमान कर सकते हैं ये करते हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या में हमारे देश की आदिवासी राष्ट्रपति का नहीं होना भाजपा की विचारधारा को प्रदर्शित करता है। राम मंदिर के उद्घाटन में दलित, आदिवासी, गरीब किसान और किसी मजदूर का चेहरा नहीं दिखा, लेकिन अंबानी-अडाणी, क्रि केटर और बॉलीवुड स्टार जरूर दिखे।

अमरूद की खेती के बारे में जानकारी ली

राहुल गांधी रतलाम के थाई और जापानी अमरूद उत्पादक किसान जयप्रकाश धाकड़ के खेत पर पहुंचे। वहां फसल के बारे में जानकारी ली व किसान धाकड़ से चर्चा की। यहां राहुल ने पेड़ से अमरूद तोड़कर खाया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया भी मौजूद रहे।

राहुल गांधी को अपनी जाति बतानी पड़ेगी : रामेश्वर

हुजूर विधानसभा से विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी पहले यह बताएं कि उनकी खुद की जाति क्या है। भाजपा कार्यालय में प्रचार रथों को रवाना करने के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे रामेश्वर शर्मा ने कहा कि वैसे तो हम सनातन प्रवृत्ति के लोग हैं। हिंदू समाज में वर्ग-जाति का कोई उल्लेख नहीं होता है। शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी अगर हमने जाती पूछना शुरू कर दी तो पहले आपको बताना पड़ेगा कि फिरोज खान का नाती किस जाति का है। पूर्व सीएम कमलनाथ के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की 10 से 12 सीट आने के दावे पर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कमलनाथ जी 10 सीटें बोल रहे है। आगे का एक खत्म हो जाएगा। कांग्रेस जीरो पर आ जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं परमात्मा से यही प्रार्थना करूंगा कि कमलनाथ जी इस उम्र में चुनाव हारने का झटका ना खाएं।

आशुतोष सोती ने थामा राष्ट्रीय लोक दल का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आशुतोष सोती ने आज राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से भेंट कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशुतोष सोती का स्वागत करते हुए कहा कि बिजनौर संसदीय क्षेत्र में सक्रिय होकर पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवार चन्दन चौहान को विजयी बनाने हेतु सक्रिय हो जाएँ । इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा उपस्थित रहे।

अनुपम मिश्रा ने बताया कि आशुतोष सोती बिजनौर के एक अत्यधिक प्रतिष्ठित सोती परिवार से संबंध रखते हैं तथा विगत 25 वर्षों से अधिक समय तक एसजीपीजीआई लखनऊ में क्लास वन ऑफिसर (जनसंपर्क अधिकारी) के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं साथ ही पिछले कई दशकों से सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से भी सक्रि य रहे है। विशेषत: स्वास्थ्य सेवाओं एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और उनके साथ आने ना केवल पार्टी को बल मिलेगा बल्कि श्री सोती के बिजनौर में संपर्कों का राजनैतिक लाभ मिलेगा और ब्राह्मणों को पार्टी से जोड़ने में अब और आसानी होगी।

मुस्लिम वोट के बिना सरकार नहीं बना सकती भाजपा : अजमल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोलपाड़ा।। डेमोक्रेटिक फ्रंट के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने दावा किया कि मुस्लिम वोटों के बिना भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव नहीं जीत सकती और केंद्र में सरकार नहीं बना सकती।

पार्टी नेताओं के साथ मंगलवार शाम को गोलपाड़ा में अजमल ने कहा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा था कि हमें मुस्लिम इलाकों में जाना चाहिए, मस्जिदों और मदरसों का दौरा करना चाहिए। उन लोगों ने कहा था कि हमें मुस्लिम समुदाय के कम से कम 10 प्रतिशत वोट मिले ताकि हम सरकार बना सकें, अन्यथा हम केंद्र में सरकार नहीं बना सकते और अगर वे (मुसलमान) साथ आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे। बता दें कि एआईयूडीएफ नेता ने अपनी पार्टी के सदस्यों और समर्थकों को आगामी चुनावों में भाजपा को वोट न देने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, हमने पहले ही अपनी पार्टी के सदस्यों और समर्थकों को निर्देश दे दिया है और उन्हें सलाह दी है कि एक भी वोट भाजपा को न जाए। नवंबर में अजमल ने कहा था कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ लड़ने के लिए कांग्रेस को 11 सीटें दी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी पार्टी असम में तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

शहर को संवारने में जुटे हैं नगर आयुक्त

नगर निगर कर्मी से लेकर अधिकारी तक हैं इंद्रजीत सिंह की इमानदारी के कायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले दिनों नगर निगम सदन में भाजपा पार्षद के आरोपों से पहली बार नगर आयुक्त खिन्न गए। नगर निगम में पहली बार उनको नाराज और गुस्से में देखा गया। हालांकि नाराजगी बड़ी बात नहीं थी बड़ी बात यह थी कि नगर निगम के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ था कि कोई नगर आयुक्त नाराज हुआ हो और पूरा सदन उसके साथ खड़ा हो गया हो। यहां तक की राम नरेश रावत की पार्टी की मेयर और पार्षदों ने उनको खरी खोटी सुनाना शुरू कर दिया।

मेयर ने बीजेपी पार्षद को सदन से बाहर करने का आदेश दिया और उसके ही साथी उसको सदन के बाहर लेकर चले गए। यह महज एक घटना नहीं थी बल्कि एक ऐसे अधिकारी पर पूरे नगर निगम का भरोसा था जो पिछले कई दशक में नहीं देखा गया। लखनऊ नगर निगम के नगर आयुक्त पूरे प्रदेश में अपनी ईमानदार और विकास करने की छवि के लिए प्रचलित है। उनके साथ काम करने वाले अधिकारियों का कहना है कि वह पानी तक घर से लेकर आते हैं कि नगर निगम के पैसे की बर्बादी न हो।

नगर निगम को दिलाई करोड़ों की प्रापर्टी

नगर आयुक्त की मेहनत का नतीजा है कि आज लखनऊ नगर निगम को जिया मऊ से लेकर अकबर नगर मिलाकर करीब 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की जमीन मिली है। इसके अलावा करीब 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की कब्जा की गई जमीन को भूमाफियाओं से छुड़ाया गया। मामला यही नहीं रूका शत्रु सम्पत्ति में दुकान और शोरूम चला कराड़ों रुपए कमाने वाले कारोबारी आजादी के 7 दशक बाद पहली बार नगर निगम को टैक्स देने जा रहे हैं।

बढ़ाई नगर निगम की आय

शहर में 6 लाख से ज्यादा हाउस टैक्स देने वाले हैं उसके बाद भी अक्सर यह देखा गया है कि नगर निगम वसूली ठीक से नहीं हो पा रही है। लेकिन उनके आने बाद अक्सर नगर निगम का मुनाफ बढ़ता गया है। स्थिति यह है कि हर साल नगर निगम करीब 15 फीसदी का मुनाफा बढ़ा रहा है। पिछले साल जहां 350 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली हुई थी। वहीं उम्मीद है कि इस बार यहां आंकड़ा 400 करोड़ रुपए से ज्यादा का होगा।

भिखारी बच्चों को शिक्षित करा रहे हैं

नगर निगम और लखनऊ के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि शहर में भीख मांगने वाले बच्चों को न सिर्फ इस गलत काम से दूर किया जा रहा बल्कि उनको एक बेहतर शिक्षा मिल रही है। जिससे कि भविष्य में वह एक बेहतर समाज की नींव रखने में बाकी लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हो सके। चिनहट में उनके लिए विशेष शेल्टर होम बनाया गया है। जहां उनको रखने के बाद उनको बेहतर शिक्षा दी जाती है।

यशस्वी जायसवाल की पहली बार टॉप 10 में एंट्री

» रोहित-कोहली भी आगे बढ़े, ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी ने अपनी ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की है। वहीं भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप 10 में एंट्री कर ली है। वह बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दसवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने करियर में पहली बार ये स्थान हासिल किया है। उनके 727 रेटिंग अंक हैं।

बता दें कि, यशस्वी का बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में जमकर बोल रहा है। वह पिछले चार मैचों में 655 रन बटोर चुके हैं। जिसमें दो दोहरे शतक शामिल हैं। भारत गुरुवार से धर्मशाला में सीरीज का पांचवां और आखिरी मैच खेलेगा। भारत 3-1 की अजेय बढ़त बना चुका है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

रोहित 13वें से 11वें पायदान पर आ गए हैं। उनके 720 अंक हैं। कोहली (727) एक स्थान ऊपर आठवें नंबर पर चले गए हैं। कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन ने लंबी छलांग लगाई है। वह 22 स्थान चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंचे हैं। उनके 661 रेटिंग अंक हैं। ग्रीन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार बैटिंग की थी। उन्होंने मुश्किल हालात में नाबाद 174 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के जो रूट (799) तीसरे से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (771) तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। स्मिथ की रेटिंग 2014 के बाद पहली बार 800 अंक से नीचे गिरी है।

पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के साथ ग्लेन फिलिप्स (18 स्थान ऊपर 52वें पर) और रचिन रविंद्र ने रैंकिंग में सुधार किया है। फिलिप्स ने टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी सुधार किया है। उन्होंने पहले मैच में पंजा खोला था। वहीं, टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग की बात करें तो भारत के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह की बादशाहत बरकरार है। उनके 867 अंक हैं। बुमराह के बाद स्पिनर आर अश्विन (846) दूसरे और कगिसो रबाडा (834) तीसरे नंबर हैं।

ईडी की याचिका पर केजरीवाल को कोर्ट का समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी ने कथित दिल्ली शराब नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन पर पेश नहीं होने को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ फिर से शिकायत की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने समन का पालन नहीं करने के लिए ईडी की दूसरी शिकायत पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नया समन जारी किया है। कोर्ट ने केजरीवाल को 16 मार्च को पेश होने को कहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने पहले भी सीएम केजरीवाल के खिलाफ समन के का पालन न करने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शिकायत भी दर्ज हुई थी।

16 मार्च को पेश होने को कहा

प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में बार-बार समन का पालन न करने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एक नई शिकायत दिल्ली कोर्ट में दी। ईडी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने चार से आठ समन का पालन नहीं किया है। जिसके बाद एसीएमएम दिव्या मल्होत्रा ने ईडी की शिकायत को सूचीबद्ध कर लिया और सात मार्च को सुनवाई के लिए तारीख निर्धारित की थी। जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के संबंध में अरविंद केजरीवाल को ईडी ने आठ समन जारी किए हैं। इससे पहले ईडी ने पहले से तीसरे समन पर पेश नहीं होने पर लोकल कोर्ट का रूख किया था। जिसको लेकर कोर्ट में 16 मार्च को मामले पर सुनवाई होगी।

भाजपा के सातों विधायकों को राहत अदालत ने निरस्त किया निलंबन

हाईकोर्ट ने भाजपा के सभी सातों विधायकों का निलंबन रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि विधायकों को नियमों से अधिक सजा दी गई। बजट सत्र के दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण को बाधित करने के आरोप में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने विधायकों को निलंबित किया था। इस फैसले को विधायकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने फैसले में कहा, विधानसभा अध्यक्ष की ओर से विधायकों को दी गई सजा कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप नहीं थी। मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने में उन्होंने स्वतंत्र रूप से कोई निर्णय नहीं किया। अदालत ने कहा, विशेषाधिकार समिति की ओर से निर्णय लेने तक निलंबन की सजा देते समय याचिकाकर्ताओं को नहीं सुना गया। अध्यक्ष के स्वतंत्र निर्णय के बिना सदन की ओर से मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का निर्णय तय प्रक्रिया का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा, चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही 14 बैठकों के निलंबन का सामना कर चुके हैं, इसलिए उन्हें तुरंत सदन में फिर से शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इरफान सोलंकी और उनके भाई समेत पांच के घर ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी व उनके भाई रिजवान सोलंकी के जाजमऊ डिफेंस कॉलोनी स्थित घर पर गुरुवार की सुबह ईडी की टीम ने छापेमारी की। इसके अलावा चाचा मेराज सोलंकी, बिल्डर हाजी वसी और बिल्डर शौकत की बेटी नूरी शौकत के घरों पर भी छापा मारा गया है। इस दौरान इरफान और रिजवान दोनों के घरों में कोई सदस्य मौजूद नहीं थे। बताया गया कि परिवार के सदस्य महराजगंज गए हुए हैं। ईडी की टीम ने दोनों के घरों से अब तक की जांच में कुछ दस्तावेज उठाए हैं, जिनका सत्यापन चल रहा है। गुरुवार सुबह लगभग छह बजे यूपी 32 नंबर की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां (भारत सरकार लिखी हुई) सपा विधायक इरफान सोलंकी के केडीए कॉलोनी जाजमऊ स्थित आवास पर पहुंची। यहां पर थोड़ी देर रुकने के बाद वह करीब 600 मीटर दूर डिफेंस कॉलोनी स्थित उनके भाई रिजवान सोलंकी के घर पर पहुंची। दोनों जगहों पर परिजन न होने के कारण गार्ड और नौकरों के जरिए ईडी टीम के सदस्य घर के अंदर दाखिल हुए। सूत्रों के मुताबिक अब तक की जांच में दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है। सपा विधायक इरफान सोलंकी और रिजवान सोलंकी ने आगजनी के मामले में दो दिसंबर 2022 को तत्कालीन पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड के बंगले पर पहुंचकर सरेंडर कर दिया था। उसके बाद से वह लगातार जेल में बंद है।

फोटो :4 पीएम

प्रदर्शन आज फिर 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी भारी संख्या में शिक्षामंत्री संदीप सिंह के आवास पहुंचे। उनके साथ 6800 आरक्षित चयनित अभ्यर्थी भी नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी नियुक्ति पत्र की मांग पर अड़े हैं। इससे पूर्व अभ्यर्थी कई बार घेराव कर चुके हैं।

चुनावी बॉन्ड मामले में एसबीआई के खिलाफ कोर्ट पहुंची अवमानना याचिका

» सुप्रीम कोर्ट 11 मार्च को करेगा सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय में अवमानना याचिका दायर कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की उस अर्जी को चुनौती दी जिसमें राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने की मांग की गई है। एडीआर ने चुनावी बॉन्ड मामले में भारतीय स्टेट बैंक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अवमानना याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीओ का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण से ई-मेल भेजने को कहा और 11 मार्च को अवमानना याचिका सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से अदालत में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की इस दलील पर गौर किया कि वह मामले में अवमानना की कार्यवाही शुरू करना चाहते हैं। भूषण ने कहा कि एसबीआई की याचिका को 11 मार्च को सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है और अवमानना आवेदन पर भी एक साथ सुनवाई की जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा, कृपया एक ईमेल भेजें। मैं आदेश पारित करूंगा। एसबीआई ने 4 मार्च को शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक का विस्तार करने की मांग की गई।

शीर्ष अदालत ने पिछले महीने अपने फैसले में एसबीआई को छह मार्च तक चुनाव आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। एडीआर के अधिवक्ता ने कहा, एसबीआई ने जानबूझकर इस माननीय न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा पारित फैसले की अवज्ञा की है, और यह न केवल नागरिकों के सूचना के अधिकार को नकारता है, बल्कि इस माननीय न्यायालय के अधिकार को भी कमजोर करता है।

नागपुर जेल से रिहा हुए डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईबाबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। माओवादियों से कथित संबंध के मामले में बंबई उच्च न्यायालय द्वारा बरी किए गए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पूर्व प्रोफेसर जी. एन. साईबाबा को बृहस्पतिवार को नागपुर केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया। अदालत ने साईबाबा को मंगलवार को बरी किया था। उन्हें कथित माओवादी संबंध मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की एक अधीनस्थ अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद साईबाबा 2017 से यहां जेल में बंद थे। इससे पहले, वह 2014 से 2016 तक इस जेल में थे और बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। शारीरिक अक्षमता के कारण व्हीलचेयर का इस्तेमाल करने वाले साईबाबा ने जेल से बाहर आने के बाद कहा कि मेरा स्वास्थ्य बहुत खराब है, मैं बात नहीं कर सकता, मुझे पहले इलाज कराना होगा और उसके बाद ही मैं बात कर पाऊंगा।

कांग्रेस के 9 विधायक निलंबित

» पंजाब में कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को मार्शलों ने बाहर निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में उस समय हंगामा मच गया जब राज्य के बजट पर चर्चा के लिए स्पीकर कुलतार सिंह संधवान द्वारा अधिक समय देने से इनकार करने पर सत्ता पक्ष और विपक्षी कांग्रेस विधायकों के बीच तीखी बहस हो गई। जैसे ही कांग्रेस सदस्य सदन के वेल में आ गए और स्पीकर से आग्रह किया कि पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग को अपना भाषण पूरा करने की अनुमति दी जाए, संधवान ने अबोहर विधायक संदीप जाखड़ को छोड़कर सदन में मौजूद सभी कांग्रेस विधायकों के नाम

लिए और उन्हें बाकी विधायकों के लिए निलंबित कर दिया।

स्पीकर ने सदन की कार्यवाही भी 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। वारिंग के जाने से इनकार करने के बाद मार्शलों द्वारा उन्हें विधानसभा से बाहर ले जाया गया।

विरोध तब शुरू हुआ जब स्पीकर ने गिद्दड़बाहा के विधायक वारिंग से कहा कि बोलने के लिए उनका आवंटित समय खत्म हो गया है और कांग्रेस ने बजट पर चर्चा के लिए आवंटित 28 मिनट का इस्तेमाल किया। वारिंग द्वारा अपना भाषण समाप्त करने देने की अपील के बावजूद, संधवान ने सत्तारूढ़ सदस्य डॉ. बलजीत कौर से अपना भाषण शुरू करने के लिए कहा। वारिंग ने इसका विरोध किया और स्पीकर पर विपक्षी सदस्यों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए सदन के बीचोंबीच हंगामा कर दिया।

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी अन्य सदस्यों के साथ अपनी सीटों पर खड़े हो गए और स्पीकर से वारिंग को अपना भाषण समाप्त करने की अनुमति देने को कहा। हालांकि, संधवान ने दावा किया कि चूंकि बजट पर बहस शुरू करने वाले बाजवा ने आवंटित समय से अधिक समय बिताया, इसलिए कांग्रेस सदस्यों को प्रावधानों के अनुसार आवंटित समय का पालन करना होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।